

नाहटा बन्धु अभिनन्दन ग्रन्थ (फोल्डर नं. ०२००७)

मुख्य टाइटल

भाग-१

आत्म-निवेदन

निवेदन

अनुक्रमणिका

प्रथम खण्ड-जीवन परिचय

श्री अगरचन्द नाहटा वंशपरम्परा एवं जीवन परिचय -----	३
नाहटा-वंशप्रशस्ति -----	८
श्रेष्ठिवर श्री अगरचन्दजी नाहटा और उनकी साहित्य साधना -----	७९
श्री भंवरलाल नाहटा – व्यक्तित्व एवं कृतित्व -----	८८
श्रद्धेय श्री अगरचन्दजी नाहटाका बीकानेर-जैन लेखसंग्रह-----	१०४
श्री नाहटाजी द्वारा लिखित एवं सम्पादित कतिपय ग्रन्थ -----	१०९

द्वितीय खण्ड-श्रद्धा सुमन

श्रद्धाके ये प्रसून -----	११५
घणमोला नाहटाजीनै घणैमान -----	११५
अभिनन्दनम् -----	११६
अभिनन्दन -----	११६
श्रद्धांजलि -----	११७
अगरचन्द नाहटाजीका शत शत अभिनन्दन -----	११७
साहित्य-गगनके दीप्तिमान नक्षत्र, तुम्हें शत-शत प्रणाम -----	११८
श्रद्धांजलि -----	११९
सरस्वतीके वरद पुत्र -----	११९
श्रद्धांजलि -----	१२०
साहित्य, संस्क-ति एवं सुजनताके प्रतीक -----	१२०
ऐसे ज्ञानज्योति दिनकरका अभिनन्दन शत बार है -----	१२२
विश्व-कोषमें अमर रहेगा अगरचंदका नाम -----	१२३
श्री अगरचन्दजी नाहटाके प्रति -----	१२३
अभिनन्दन -----	१२४
गीत डिंगल -----	१२५

तृतीय खण्ड-व्यक्तित्व, कृतित्व और संस्मरण

सन्देश -----	१२९
यशस्वी पुत्र -----	१२९
संशोधक नाहटाजी -----	१३१

श्री नाहटा बन्धु -----	१३१
शासनके प्रतिभाशाली पुत्र श्री नाहटाजी -----	१३२
संदेश -----	१३२
अभीक्षण ज्ञानोपयोगी -----	१३३
साहित्यिक सितारे नाहटाजी -----	१३४
भारतीय संस्कृतिका सम्मान -----	१३४
एक विशिष्ट संशोधक -----	१३५
ज्ञानके अक्षय स्रोत नाहटाजी -----	१३६
अभिवादन -----	१३६
विद्वत्प्रवर श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	१३७
अभिनन्दनीय नाहटाजी -----	१३८
विद्याव्यासंगी श्री नाहटाजी -----	१३९
ख्यातिप्राप्त विद्वान् -----	१४०
सरस्वतीका सुयोग -----	१४०
धन्य नाहटाजी -----	१४१
विरल साहित्यिक श्री नाहटाजी -----	१४३
नवोदित लेखकवर्ग और श्री नाहटाजी -----	१४४
आदरणीय नाहटाजी -----	१४७
सरस्वतीके अनन्य सेवक -----	१५०
अमित शोध-सामग्रीके भण्डार श्री अगरचन्द नाहटा -----	१५१
राजस्थानकी साहित्यिक विभूति -----	१५३
विरोधाभासोंका समन्वय -----	१५६
सरहस्वतीके अनन्य उपासक -----	१५७
स्वाध्यायान्मा प्रमद के मूर्त्तस्वरूप नाहटाजी -----	१६०
साहित्य-तपस्वी श्री नाहटाजी -----	१६२
यत् क्रियते तन्नाधइकम् -----	१६५
अनवरत साहित्योपासक -----	१६६
बीकानेर और नाहटाजी -----	१६८
विद्याप्रेमका एक जीवन्त प्रतीक, एक संस्था -----	१६९
नाहटाजी ना हटे -----	१७०
प्रेरणाप्रद व्यक्तित्वके धनी श्री नाहटा-बन्धु -----	१७१
जंगम तीर्थ-श्री अगरचन्द नाहटा -----	१७२
शोधयोगी श्री नाहटाजी -----	१७४
विश्वकोषके लिए मेरे कोटिशः प्रणाम -----	१७५
वन्दनीय नाहटाजी -----	१७७

विद्या ददाति विनयम् -----	१७७
एक विरल व्यक्तित्व -----	१७९
साहित्य गगनके देदीप्यमान -----	१८०
जैसा मैंने जाना -----	१८१
विराट व्यक्तित्व एवं असीम कृतित्व -----	१८२
श्रेष्ठि विद्वान् श्री नाहटाजी -----	१८४
संस्कृति और साहित्यके लिए नाहटाजी की महान देन -----	१८५
शोधपुरुष श्री नाहटाजी -----	१८६
जैनसाहित्यके प्रकांड विद्वान नाहटाजी -----	१८९
वाङ्मय पुरुष -----	१९१
कर्मयोगी श्री नाहटाजी -----	१९४
मित्रवर अगरचन्दजी नाहटा -----	१९५
साहित्यिक-कल्पद्रुम नाहटाजी -----	१९६
अनोखी प्रतिभाके धनी -----	१९७
अद्भुत व्यक्तित्व -----	१९९
अभिनन्दनीय नाहटाजी -----	१९९
बहुमुखी प्रतिभाके धनी -----	२००
आदर्श मार्गदर्शक -----	२०१
शुभकामना -----	२०१
स्वनामधन्य नाहटाजी -----	२०१
इतिहासज्ञ नाहटाजी -----	२०२
शोधाञ्जलि नाहटाजी -----	२०२
पांडित्यपूर्ण व्यक्तित्व -----	२०२
शोधकर्ताओंके हृदय-सम्राट -----	२०३
अन्तरराष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त विद्वान् -----	२०४
अभीक्षण ज्ञानोपयोगीके प्रति श्रद्धा सुमनांजलि -----	२०४
व्यक्तित्व महान् -----	२०४
चिरंजीवी हों -----	२०५
अभिनन्दनपर दो शब्द -----	२०५
साहित्य महारथी -----	२०५
अभिनन्दनीय नाहटाजी -----	२०६
इतिहासके श्रेष्ठ पुजारी -----	२०६
नाहटाजी-स्व. डॉ. वासुदेवशरण अग्रवालकी दृष्टिमें -----	२०७
सरस्वती एवं लक्ष्मीका विरल संगम -----	२११
सेठ और साहित्य सेवी -----	२११

बहुमुखी प्रतिभाके धनी नाहटाजी -----	२१२
साहित्यिक सेठ श्री अगरचंद नाहटा -----	२१४
शुभकामना -----	२१४
साहित्यिक विभूति नाहटाजी -----	२१४
अभिनन्दनीय श्री नाहटाजी-----	२१७
नाहटाजी एक जीवन्त संग्रहालय -----	२१८
नाहटाजी समाजके भूषण -----	२१९
श्री नाहटाजीका विशिष्ट व्यक्तित्व -----	२२०
गुणोंके प्रति सहज आकर्षण -----	२२१
राजस्थानकी साहित्यिक विभूति -----	२२२
ज्ञानतपस्वी नाहटाजी -----	२२४
अविस्मरणीय नाहटाजी -----	२२५
अनवरत साहित्यप्रेमी -----	२२६
ज्ञानप्रदीप श्री नाहटाजी -----	२२७
पागाँ पेचाँदार, वाण्यो बीकानेरको -----	२२९
सौजन्यमूर्ति नाहटाजी -----	२३२
सच्चे साधक श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	२३३
सरस्वती और लक्ष्मीका अनोखा संयोग -----	२३४
एक महान् व्यक्तित्व -----	२३६
शोधमनीषी श्रेष्ठिवर श्री अगरचंदजी नाहटा -----	२३७
मेरी दृष्टिमें अगरचन्दजी नाहटा -----	२४०
विशिष्ट योगदान -----	२४२
नाहटाजी एक विरल व्यक्ति -----	२४२
आदर्श व्यक्तित्व -----	२४४
साहित्य-उपवनका एक माली -----	२४६
सर्वतोन्मुखी प्रतिभाके धनी नाहटाजी -----	२४७
साहित्यकी साकार मूर्ति -----	२४८
साहित्यके पुण्यश्लोक भगीरथ -----	२४९
श्रद्धेय श्री अगरचन्दजी नाहटा-प्रथम दर्शन -----	२५०
प्राचीन साहित्यके उद्धारक-नाहटाजी-----	२५२
मधुर स्मृति -----	२५३
साहित्य-तपस्वी नाहटाजी -----	२५६
शोध-वारिधि, नररत्न नाहटाजी -----	२५७
मेरे प्रेरणा स्रोत-----	२५८
श्री शोधके अजस्र प्रेरणा-स्रोत -----	२६१

स्रोत और सम्बन्ध -----	२६२
एक महान् साहित्यिक संत -----	२६३
राजस्थानीरा राजदूत -----	२६५
नाहटाजी-एक संस्था -----	२६८
जैन-साहित्यके शुभोदयका कणाद ऋषि -----	२६९
एक व्यक्ति-एक युग -----	२७१
नाहटा-बन्धु-मेरी दृष्टिमें -----	२७२
अद्वितीय साहित्य-मनीषी -----	२७६
प्रतिभा, कर्मठता एवं धर्मनिष्ठाके असाधारण धनी-नाहटाजी -----	२७८
कुतूहल, श्रद्धा और अपनेपनसे भरा वह नाम -----	२८०
अगरचन्द नाहटा-प्राचीन साहित्यशोधक -----	२८३
नाहटाजी-एक शिलालेखी व्यक्तित्व -----	२८६
श्री अगरचन्द नाहटा-एक प्रोफाइल -----	२८९
नाहटाजीके प्रति -----	२९३
ज्ञान-सूर्य नाहटा -----	२९४
श्री अगरचन्दजी नाहटा-एक परिचय -----	२९७
नाहटाजीकी राजस्थानीके प्रति ममता -----	२९९
साहित्य-साधक श्री नाहटाजी -----	३००
अनथक साहित्यखोजी-नाहटाजी -----	३००
सोध-निर्देशक अगरचन्दजी नाहटासे भेंट -----	३०२
नाहटाजीसा कृतित्व और व्यक्तित्व -----	३०४
साहित्य और कलाके सच्चे उपासक -----	३०५
व्यक्तित्व एवं संस्मरण -----	३०६
एक प्रेरक व्यक्तित्व -----	३०७
अग्रणी अध्येता-नाहटाजी -----	३०८
नाहटाजीसे प्रथम साक्षात्कार -----	३१०
न तस्य प्रतिमास्ति यस्य नाम महद यशः -----	३१२
महामनस्वी श्री नाहटाजी-----	३१३
विद्या व्यासंग शोधमनीषी -----	३१५
साहित्यमूर्ति श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	३१७
शोधमनीषी श्री अगरचन्द नाहटा -----	३१८
अभिनन्दनमभिनन्दनीयस्य -----	३१९
लिखमी अर सरसुतीरा लाडला संत श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	३१९
माँ राजस्थानीरा समरथ सपूत नाहटाजी -----	३२२
स्मृतिपथपर तैरते श्री नाहटाजी -----	३२७

श्रद्धेय नाहटाजीसे भेंट-----	३३०
वयोवृद्ध, तपोवृद्ध एवं ज्ञानवृद्ध श्री नाहटाजी -----	३३३
वन्दे महापुरुष, ते कमनीय कीर्तिम् -----	३३४
नाहटाजी-एक सन्दर्भ-ग्रन्थ-----	३३६
जैन इतिहास-रत्न-शोधशास्त्री श्री अगरचन्द नाहटा -----	३३७
राजस्थानके गौरव एवं विद्वद्रत्न -----	३४१
सरस्वतीके वरद-पुत्र-श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	३४२
भारतीय विद्याविदोंमें श्री अगरचन्द नाहटाका स्थान -----	३४४
नाहटाजीका अभिनन्दन -----	३४७
नाहटाजीके सान्निध्यमें -----	३४९
श्री नाहटाजी शोधके प्रेरणास्रोत -----	३५७
प्रबुद्ध चमकते जैन सितारे-श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	३५८
नाहटा बन्धुओंकी विशिष्ट उपलब्धि -----	३६१
नाहटाजीका अद्भुत व्यक्तित्व -----	३६३
हार्दिक अभिनन्दन -----	३६३
मेरी दृष्टिमें श्री अगरचन्द नाहटा -----	३६४
श्री अगरचन्द नाहटा-एक व्यक्तित्व -----	३६६
श्री भँवरलालजी नाहटा -----	३६८
श्री नाहटाजी जैनधर्मके सच्चे सेवक -----	३६८
साहित्यके सितारे व शोधनिर्देशक श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	३६९
राजस्थानकी महान् विभूति श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	३७०
श्रेष्ठिवर श्री अगरचन्दजी नाहटा -----	३७१
मूर्तिमान् ज्ञानकोष श्री नाहटाजी -----	३७२
मरुभूमिकी देन-अनुकरणीय विद्यापति नाहटाजी -----	३७६
संस्मरण -----	३७६
ज्ञानके खोजी-श्रद्धेय नाहटाजी -----	३८३
धन्य हो रहा अभिनन्दन करके जिनका अभिनन्दन -----	३८५
वे पुरातत्त्ववेत्तासे तत्त्ववेत्ता बन गये -----	३८६
भारतविख्यात विभूति -----	३८६
अभयजैन ग्रन्थालयका २५ वर्षीय विकास -----	३८९
आगन्तुक सम्मतियाँ -----	३९४
श्री भँवरलालजी नाहटा -----	४००
समाज सदा इनका ऋणी रहेगा -----	४०२
सि. इ. वि. श्री अगरचन्द नाहटा -----	४०४

भाग-२

संपादकीय निवेदन

अनुक्रमणिका

प्रथम खण्ड-इतिहास और पुरातत्व

प्रतिहार काल में पूजित राजस्थान के कुछ अप्रधान देवी-देवता – डॉ. दशरथ शर्मा -----	३
मध्यकालीन मारु-गुर्जर चित्रकला के प्राचीन प्रमाण – डॉ. उमाकान्त प्रेमचन्द शाह -----	७
पल्लू की प्रस्तर प्रतिमाएं – श्री देवेन्द्र हाण्डा -----	११
ओसियां – डॉ. ब्रजेन्द्रनाथ शर्मा -----	१८
मध्यप्रदेश की प्राचीन जैन कला – प्रो. कृष्णदत्त वाजपेयी -----	२२
प्राचीन वज्रमण्डल में जैनधर्म का विकास – श्री प्रभुदयाल भीतल -----	२५
भारतीय नौसेना ऐतिहासिक सर्वेक्षण – श्री गायत्रीनाथ पंत -----	३४
Chandra Images from Rajasthan – R. G. Agarwala -----	44
Prehistoric Background of Rajasthani Culture – V. N. Misra -----	49
Mewar Painting – Kuwar Sangram Singh-----	68
Coins of the Malavas of Rajasthan – Shri Kalyan Kumar Das Gupta -----	77
Tantric Culture Eastern India – Dr. Upendra Thakur -----	83
The Five Apbhramsa verses composed by Munja, the Paramara King of Malava – H. C. Bhayani -----	90
Jainism & Vegetarianism – Dr. A. N. Upadhye -----	94
Visvamitra in the Kalpasutra – Dr. Umeshchandra Sharma -----	97
The Quest for a proper perspective in Vedic Interpretation – Prof. N. M Kansara -----	101
8 th Century Document on means of earning money – Prof. Prem Suman Jain -----	109
The Problem of Apadha in the Rgveda – Dr. Smt. Y. S. Shah -----	115
A Method of Grow Crooked Bamboos for Palanquin Beams – Shri K. V. Varma-----	118
राजस्थान के शिलालेखों का वर्गीकरण – श्री रामवल्लभ सोमानी -----	१२३

द्वितीय खण्ड-भाषा और साहित्य

पाणिनिकाल एवं संस्कृत में द्विवचन – श्री उदयवीर शास्त्री -----	१३६
संस्कृत के दो ऐतिहासिक चम्पू – डॉ. बलदेव उपाध्याय -----	१४२
महो. क्षमाकल्याण गणि की संस्कृत साहि-साधना – डॉ. दिवाकर शर्मा -----	१४६
प्राकृत के कुछ शब्दों की व्युत्पत्ति – डॉ. वसंत गजानन राहूरकर -----	१५३
अपभ्रंश कथा काव्यों की भारतीय संस्कृतिको देन – डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल -----	१५५
अपभ्रंश का एक अचर्चित चरितकाव्य – डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री -----	१६०
राजस्थान का युग-संस्थापक कथा-काव्य निर्माता हरिभद्र – डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री -----	१६७
तथाकथित हरिवंशचरियं की विमलसूरिकर्तृता-एक प्रश्न – डॉ. गुलाबचन्द्र चौधरी -----	१७८
महाकवि रङ्गू की एक अप्रकाशित सचित्र कृति पासणाहचरिउ – डॉ. राजाराम जैन -----	१८२
शत्रुञ्जय तीर्थाष्टक – महो. विनयसागर -----	१८८

दिल्ली पट्ट के मूलसंघीय भट्टारक प्रभाचन्द्र और पद्मनन्दि – पं. परमानन्द जैन शास्त्री -----	१९१
अमरु शतक की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि – डॉ. अजयमित्र शास्त्री -----	१९८
कान्हडदे प्रबन्ध और उसका ऐतिहासिक महत्व – डॉ. सत्यप्रकाश -----	२०७
कान्हडदे प्रबन्ध-सांस्कृतिक दृष्टिसे – मूल लेखक – डॉ. भोगीलाल सांडेतरा (अनुवादक-श्री जयशंकर शर्मा) -----	२११
रामरासोकार महाकवि माधवदास दधिवाड़िया – श्री सौभाग्यसिंह शेखावत -----	२२४
मेवाड़प्रदेश के प्राचीन डिंगल कवि – श्री देव कोठारी -----	२२९
राजस्थानी बातों में पात्र और चरित्र-चित्रण – डॉ. मनोहर शर्मा -----	२४५
तृतीय खण्ड-विविध	
जैनतर्कशास्त्र में हेतु प्रयोग – डॉ. दरबारीलाल कोठिया -----	२५९
जैन दर्शन में नैतिक आदर्श के विभिन्न रूप – डॉ. कमलचन्द्र सोगानी -----	२६४
ऐतरेय आरण्यकमें प्राण-महिमा – आचार्य विष्णुदत्त गर्ग -----	२६८
प्राचीन भारतीय वाङ्मय में प्रयोग – श्री श्रीरंजन सूरिदेव -----	२७२
श्री वल्लभाचार्यजी महाप्रभुजीका जीवन वृत्त – अध्या. केशवराम का. शास्त्री -----	२७६
द्वैत-अद्वैत का समन्वय – श्री आनन्दस्वरूप गुप्त -----	२८९
चित्रकाव्य का उत्कर्ष-सप्तसन्धान महाकाव्य – श्री सत्यव्रत तृषित -----	२९७
शिवराज भूषण में गुप्तलखाना का प्रसंग – श्री वेदप्रकाश गर्ग-----	३०८
होथल निगाभरी और ओढ आम की सुप्रसिद्ध लोककथा का वस्तुसाम्य एवं इसके आधार पर विचार – श्री पुष्कर चन्द्ररावकर -----	३१२
तेजा लोक गीत का एक नया रूपांतर – श्री नरोत्तमदास स्वामी -----	३१९
रणछोड़ भट्ट कृत कुमारकाव्य और महाराणा प्रतापसे सम्बन्धित दो विवादास्पद प्रश्न – श्री ब्रजमोहन जावलीया -----	३२६
परिशिष्ट-१ – अगरचन्द्र नाहटा अभिनन्दनोत्सव समारोह का विवरण शुभ-कामना संदेश -----	३३१
परिशिष्ट-२ – बीकानेर में आयोजित अभिनन्दन समारोह के निमित्त सहयोगदाताओं की शुभ नामावली	